

स्वतंत्र प्रभात



स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें..... 9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एवं अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

इलाहाबाद हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला: अवैध हिरासत पर पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही-03

सीतापुर, गुरुवार, 11 जून 2026

वर्ष 14, अंक 62, पृष्ठ 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

लाल टोपी छोड़ी, जींस-टीशर्ट पहन एयरपोर्ट पर धमाल.....

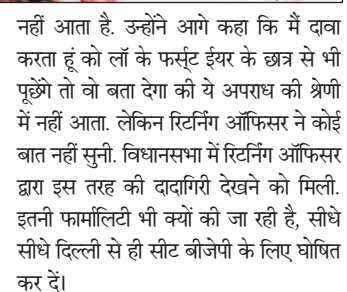
मध्य प्रदेश में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने पर भड़की कांग्रेस, सीट डकैती का आरोप

● कल ईसी के खिलाफ भूख हड़ताल

मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के बीच प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने के बाद से कांग्रेस भड़की हुई है। एमपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बीजेपी पर सीट छेकती का आरोप लगाया है। मीडिया से बात करते हुए पटवारी ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही महिला आरक्षण को लेकर बीजेपी वेंग किया था जीतू पटवारी ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन राजनीतिक रूप से रद्द किया गया। क्योंकि लीगल तरीके से वो नामांकन रद्द नहीं कर सकते थे, इसलिए उन्होंने ऐसा रास्ता चुना। सरकार के इस कार्य द्वारा एमपी को कलंकित किया गया। ये लड़ई देश के लोकतंत्र को बचाने की है। क्योंकि लोकतंत्र की हत्या की भाजपाई करतूत ने फिर से संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का सबूत दिया है। सत्य और न्याय की इस लड़ाई को हम स्तर पर लड़ेंगे, हर हाल में जीतेंगे।



अब राज्यसभा और दूसरे चुनावों में पहले स्टूक मैकेनिज्म के जरिए अपनाए गए वोट-चोरी के तरीकों को दोहराने की कोशिश की जा रही है। वे भले ही महिला सशक्तिकरण की बात करते हों, लेकिन उनके अपनाए गए तरीके कुछ और ही कहानी कहते हैं। नटराजन ने कहा कि एक ऐसा मामला जिस पर पहले ही संज्ञान लिया जा चुका था। हालांकि हमारे वकीलों ने सभी तर्क पेश किए, लेकिन मामले का फैसला पूरी सुनवाई के बिना ही कर दिया गया। यह साफ तौर पर उनकी नीति और मंशा को उजागर करता है। यह मुद्दा सिर्फ एक राज्यसभा सीट का नहीं है, यह मौजूदा हालात से जुड़ा है। क्या लोकतंत्र बना रहेगा और क्या भारत का संघीय ढांचा कायम रहेगा। हमारी पूरी पार्टी यहां तामाशाही थोपने की कोशिशों के खिलाफ लड़ेगी, और हम इस फैसले को चुनौती देंगे।



नहीं आता है। उन्होंने आगे कहा कि मैं दावा करता हूँ कि लॉ के फर्स्ट ईयर के छात्र से भी पूछेंगे तो वो बता देगा की ये अपराध की श्रेणी में नहीं आता। लेकिन रिटनिंग ऑफिसर ने कोई बात नहीं सुनी। विधानसभा में रिटनिंग ऑफिसर द्वारा इस तरह की दादागिरी देखने को मिली। इतनी फार्मालिटी भी क्यों की जा रही है, सीधे सीधे दिल्ली ले ही सीट बीजेपी के लिए घोषित कर दें।

बीजेपी लोकतंत्र और संविधान की कर रही हत्या
मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल नाथ ने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार बहन मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किया जाना पूरी तरह से असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। यह घटनाक्रम बताता है कि भारतीय जनता पार्टी देश में लोकतंत्र और संविधान की हत्या कर रही है। कांग्रेस पार्टी हर स्तर पर अन्याय के खिलाफ संघर्ष करेगी।

कांग्रेस उम्मीदवार ने जानबूझकर छुछुया आपराधिक रिकॉर्ड: सीएम मोहन
मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने जानबूझकर जानकारी छुछुई थी, यह आपराधिक रिकॉर्ड को छुछुयाने का पाप संविधान की हत्या कर रही है। कांग्रेस पार्टी हर स्तर पर अन्याय के खिलाफ संघर्ष करेगी।

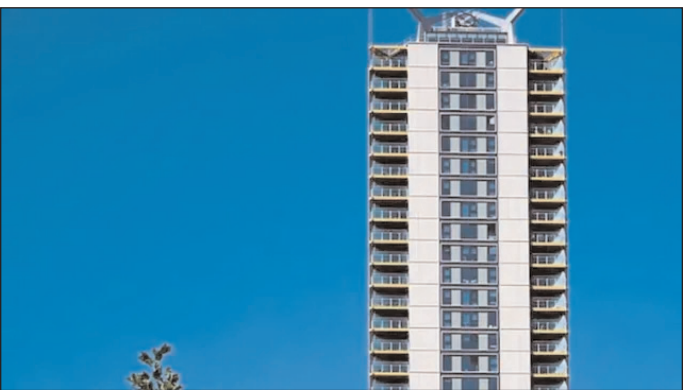
चुनाव आयोग का अस्तित्व भी है या नहीं?
कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने पर चुनाव आयोग

लंदन में भारतीय मूल के दंपति और 9 वर्षीय बेटे ने 36वीं मंजिल कूदकर दी जान, जांच जारी

● लंदन में भारतीय मूल के दंपति और बेटे की 36वीं मंजिल से मौत।

● राकेश, अदिति और 9 वर्षीय सिड की हुई दुखद मृत्यु।

● पुलिस इसे अप्रत्याशित मौत मानकर मामले की जांच कर रही।



यह बेहद दुखद घटना- नील कांयल

लंदन। लंदन में भारतीय मूल के एक दंपति और उनके 9 वर्षीय बेटे की 36वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और फिलहाल इसे अप्रत्याशित मौत मानकर देखा जा रहा है। यह घटना 27 मई को दक्षिण लंदन स्थित एक 46 मंजिला लज्जरी रिहायशी इमारत में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने ऊंचाई से लोगों के गिरने की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं। पैरामेडिक्स ने तीनों को बचाने की कोशिश की, लेकिन मौके पर ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

नील कांयल ने इमारत के निवासियों को लिखे पत्र में कहा, 'यह बेहद दुखद घटना है। कुछ स्थानीय लोगों ने इसे अपनी आंखों से देखा। जानकारी मिली है कि बच्चा ब्रिटेन में पैदा हुआ था और गंधीर बीमारियों से जूझ रहा था, जिसने परिवार पर भारी मानसिक दबाव डाला।'

लंदन में भारतीय मूल के दंपति और उनके बेटे की मौत

मृतकों की पहचान 47 वर्षीय राकेश पाई, उनकी 46 वर्षीय पत्नी अदिति परच्छर और उनके 9 वर्षीय बेटे सिड के रूप में हुई है। परिवार इमारत की 36वीं मंजिल पर रहता था।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोस्तों के बीच 'आदि' और 'रॉबिन' के नाम से जाने जाने वाले यह दंपति वित्त और कंस्ट्रक्शन कंसल्टिंग क्षेत्र में काम करते थे। परिवार 2020 में बेटे सिड के इलाज के लिए भारत आया था, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार न होने पर 2025 में फिर ब्रिटेन लौट गया। हालांकि, परिवार के कुछ करीबी लोगों ने इसे हत्या-आत्महत्या मानने पर सवाल उठाए हैं।

एक मित्र ने कहा, 'यह बात हमारी समझ से बाहर है। अदिति जरूर मानसिक दबाव में थीं, लेकिन राकेश काफी संयमित और मजबूत नजर आते थे। वह परिस्थितियों को अच्छी तरह संभाल रहे थे।'

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष का फोन हुआ हैक, गृह मंत्री से मांगी रकम; बिहार के साइबर थॉल्टर की निकली करतूत

आगरा। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा के फोन का वाट्सएप विहार के मेहसी से हैक किया गया था। साइबर ठग ने गृह मंत्री समेत कई लोगों से रुपये मांगे थे। भाजपा नेता ने गृह मंत्रालय के साथ ही साइबर सेल में शिकायत की थी। साइबर सेल की जांच के बाद न्यू आगरा पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। दिनेश शर्मा ने दर्ज मुकदमे में कहा है कि उनके मोबाइल पर एक जून को अज्ञात नंबर से फोन आया और प्रदेश अध्यक्ष द्वारा पासल भेजने की बात कही। पासल देने को उक्त फोन नंबर पर बात करने को कहा। नंबर पर फोन करते ही वाट्सएप हैक हो गया। गृह मंत्री सहित उनके फोन में मौजूद नंबरों पर मैसेज भेजकर रुपये की मांग की गई। आगरा के पूर्व महानगर अध्यक्ष शिव शंकर शर्मा ने 20 हजार रुपये हैकरों द्वारा दिए एकाउंट में डाल भी दिए। कुछ परिचितों ने फोन करके उन्हें सूचना दी, तब उन्हें इस संबंध में जानकारी हुई। प्रदेश उपाध्यक्ष ने गृह मंत्रालय को सूचना देने के साथ ही साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई थी।

इकाना स्टेडियम और स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर की जांच करेगा LDA, 20 प्वाइंट्स पर चेकिंग करेगी 10 सदस्यीय कमेटी

लखनऊ। इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के अनुबंध की शर्तों और उनके अनुसार संचालन, निर्माण और रखरखाव की जांच एलडीए करेगा। एलडीए ने इकाना स्टेडियम के साथ उससे जुड़े स्पोर्ट्स के निर्माण की जांच के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति 15 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। मंगलवार को उच्च स्तरीय बैठक बुलाकर एलडीए ने जांच समिति के सदस्य तय कर दिए। एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गठित 10 सदस्यीय समिति में एलडीए के मुख्य अभियंता, मुख्य नगर नियोजक, अधिशासी अभियंता (विद्युत एवं यांत्रिक), मुख्य अग्निशमन अधिकारी, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, वित्त एवं लेखा अधिकारी, विधि अधिकारी और अधिशासी अभियंता जेन-1 को शामिल किया गया है।



आमजन को मिलने वाली सुविधाओं और अनुबंध की शर्तों के पालन सहित 20 अलग-अलग बिंदुओं की विस्तृत जांच करेगी। खेल गतिविधियों के अलावा स्टेडियम परिसर में व्यावसायिक आयोजनों, कंसर्ट और अन्य गैर-अनुमत्य गतिविधियों को लेकर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। एलडीए ने कमेटी अनुबंध की धारा 20.9 के तहत परमीसिबल और नान-परमीसिबल गतिविधियों की जांच करेगी। स्टेडियम परिसर में व्यावसायिक उपयोग, दुकानों का संचालन, विज्ञापन प्रदर्शन और विभिन्न लाइसेंस वैध नियमों के अनुरूप हैं या नहीं, यह भी देखा जाएगा। खेल मैदान, टर्फ, अभ्यास क्षेत्र, खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और आपातकालीन अनुसंधान व्यवस्था को भी देखा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सामुदायिक शौचालय बंद, ग्रामीण खुले में शौच को मजबूर



भद्रोही। चौरा क्षेत्र के दुरासी ग्रामसभा में लाखों रुपये की लागत से बने सामुदायिक शौचालय पर ताला लटका होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई शिकायतों के बावजूद शौचालय चालू नहीं कराया गया। खंड विकास अधिकारी विनोद कुमार मौर्य ने कहा कि बंद पड़े शौचालयों की रिपोर्ट तैयार कराई जा रही है और जिम्मेदार प्रधान व सचिवों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ष्टरुफिरोजाबाद ने मांगा था iPhone, दबा मामला फिर उखड़ आया

आगरा। फिरोजाबाद के पूर्व डीएम रमेश रंजन और पूर्व तहसीलदार टूंडला राखी शर्मा के बीच चल रहा विवाद न्यायालय पहुंच गया है। पूर्व तहसीलदार ने तत्कालीन डीएम सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। इससे हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने डीआइजी और मंडलायुक्त आगरा से आख्या तलब कर अग्रिम सुनवाई के लिए 12 जून तय की है। टूंडला में तैनात रहें तहसीलदार राखी शर्मा ने अप्रैल में फिरोजाबाद के तत्कालीन डीएम रमेश रंजन पर उपीइन और अनुचित दबाव डालने के गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद तहसीलदार का ट्राम्पल हो गया था। बल्केश्वर न्यू सरस्वती नगर निवासी वर्तमान में तहसीलदार राजस्व परिषद लखनऊ के पद पर तैनात राखी शर्मा ने तत्कालीन डीएम फिरोजाबाद के खिलाफ वाद दायर करने को पत्र दिया है। इसमें अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ रमेश रंजन के अलावा डीएम फिरोजाबाद के ओएसडी शैलेंद्र शर्मा, वरिष्ठ लिपिक राजेंद्र अन्ना, वरिष्ठ लिपिक एसडीएम फिरोजाबाद जिनसे उपाध्यय तथा दोजीराम वरिष्ठ लिपिक (पेशकार) डीएम कार्यालय फिरोजाबाद को भी शामिल किया है।

सैदुलाजाब हादसे में 6 मौतों के जिम्मेदार दोनों बिल्डर गिरफ्तार, पुरानी इमारत पर 3 मंजिल और चढ़ाने से धंसी नींव

● बिल्डर मनीष खत्री और अविनाश गुप्ता सैदुलाजाब हादसे में गिरफ्तार।

● पुरानी इमारत पर अवैध निर्माण से 6 लोगों की मौत हुई।

● कमजोर नींव पर तीन अतिरिक्त मंजिलें बनाने से इमारत ढही।



हुए थे। दोनों गिरफ्तार आरोपितों को पुलिस बुधवार को साकेत कोर्ट में पेश करेगी।

तीसरे तल का चल रहा था काम
जानकारी के मुताबिक व्यावसायिक इमारत चार तल की थी। इसके ऊपर तीन और तल बनाए जा रहे थे। आरोपित भवन स्वामी करमवीर को उसके कुछ परिचितों ने कमजोर हो चुकी 400 वर्ग गज में बनी 15 वर्ष पुरानी चार मंजिला इमारत को तोड़कर नए सिरे से निर्माण की सलाह दी थी। पर वह नहीं माना। बिल्डर मनीष और अविनाश को काम सौंप दिया। चार मंजिला इमारत के ऊपर दो तल बन चुके थे और तीसरे तल का काम चल रहा था।

कमजोर नींव नहीं झेल सकी वजन
30 मई को कमजोर नींव लोड पाकर फट गई और पूरी इमारत ढह गई। मलबा हटाने

नेपाल का नया प्रतिबंध: आम के आयात पर लगा बैन, क्या है बालेन सरकार का पूरा मामला?

» नेपाल ने भारत से आमों के आयात पर प्रतिबंध लगाया।
» अत्यधिक कीटनाशक और वार्टाइन सुविधाओं की कमी मुख्य कारण।
» नेपाली किसानों को प्रोत्साहन, पर आपूर्ति में कमी की आशंका।



स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
काठमांडू। नेपाल ने भारत से आमों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि इन फलों में अत्यधिक कीटनाशकों की मौजूदगी और सीमावर्ती क्षेत्रों में क्वारंटाइन सुविधाओं की कमी का आरोप लगाया गया है। नेपाल के अधिकारियों ने कहा कि सरकार ने उन आमों के आयात पर प्रतिबंध लगाया है, जिनमें अत्यधिक कीटनाशक पाए गए हैं और मुख्य रूप से मधेश प्रांत में सीमावर्ती क्षेत्रों में क्वारंटाइन सुविधाओं की कमी के कारण यह फैसला लिया है।

और धनुषा जिले आमों के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत से आमों के आयात पर प्रतिबंध ने नेपाली किसानों को प्रोत्साहित किया है, क्योंकि उन्हें इस मौसम में भारतीय फलों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करनी पड़ेगी। हालांकि घरेलू उत्पादन पूरे नेपाल में आमों की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता।

भारत से आमों का आयात करना महत्वपूर्ण
स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, पूरे वर्ष आमों की मांग को पूरा करने के लिए भारत से आमों का आयात करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि नेपाल के आमों का उत्पादन केवल दो महीनों तक सीमित है। जनकपुरधाम में फल और सब्जी व्यापारियों के संघ के महासचिव भूवनेश्वर पूर्वं ने कहा कि भारतीय आयात को रोकने से घरेलू बाजार में कमी आ सकती है।

नरहरपुर में 194 कार्डधारकों की फर्जी उपस्थिति दर्ज कर प्रधान व रोजगारसेवक हो रहे मालामाल

● प्रशासक बने प्रधान मनगढ़ंत छायाचित्र पटल पर कराया सेव धरातल की स्थित जस का तस

● नरो में चूर सचिव ने फर्जी मस्टर रोल जारी कर उच्चाधिकारी को कर रहे गुमराहबीडीओ उदयमान उपाध्याय की मिली भगत सेफाइलों में निरीक्षण करना नहीं समझते मुनासिब सप्ताह पूर्व जारी

नरो में चूर सचिव ने फर्जी मस्टर रोल जारी कर उच्चाधिकारी को कर रहे गुमराहबीडीओ उदयमान उपाध्याय की मिली भगत सेफाइलों में निरीक्षण करना नहीं समझते मुनासिब सप्ताह पूर्व जारी
मस्टररोल मौके पर कार्य शून्य फर्जी हाजिरी की खुली पोलनरहरपुर में मटपुरवा में ललहवा पर तालाब खुदाई तथा राम अमिलाख के छेत् से अर्खाप्ट सरहद तक नाला सफाई में मजदूरो की लगी फर्जी हाजिरी से जुड़ा मामला



स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
बस्ती। बस्ती जिले केकसानगंज ब्लॉक अंतर्गत नरहरपुर में तालाब जिर्णोद्धार कार्य कागज में चल रही है काई धारकों के नाम के सहारे प्रधान अपनी पूरी ताकत लगाकर भ्रष्टाचार करने में लगे हुए हैं। या यू कहें भूवनेश्वर पूर्वं ने कहा कि भारतीय आयात को रोकने से घरेलू बाजार में कमी आ सकती है।

प्रधान एवं रोजगार सेवक द्वारा भटपुरवा ललहवा पर तिन्ना से पटा/पानी भरे तालाब व तैरती जलकुंभी में लगभग एक सप्ताह से फर्जी हाजिरी सरकारी रजिस्टर पर दर्ज की जा चुकी है। अगर जमीनी हकीकत की बात करे तो मजदूर कार्य करते नहीं मिले कार्य शून्य है। ग्रामीणों से पूछने पर मालूम हुआ कि प्रधान अपने चहेते रोजगार सेवक के सहारे भ्रष्टाचार की पटकथा लिखते हैं और फर्जी हाजिरी लगावाकर सरकारी धन को लूटने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

परमाणु हथियारों की दौड़ में भारत और पाकिस्तान

स्टॉकहोम स्थित अंतरराष्ट्रीय शोध संस्था सिंपरी की वर्ष 2026 की रिपोर्ट में दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक भारत के पास लगभग 170 परमाणु वॉरहेड्स हैं, जबकि पाकिस्तान के पास यह संख्या लगभग 130 बताई गई है। इस प्रकार भारत अब पाकिस्तान से लगभग 20 परमाणु हथियार आगे निकल चुका है। यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की सुरक्षा नीति, सैन्य संतुलन और भविष्य की रणनीतिक दिशा को भी दर्शाता है। पिछले की कुछ वर्षों में भारत ने अपनी परमाणु नीति को केवल प्रतिरोध क्षमता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे आधुनिक तकनीक और दीर्घकालिक सुरक्षा रणनीति से भी जोड़ दिया है। भारत लगातार अपनी मिसाइल प्रणाली, समुद्री सुरक्षा और लंबी दूरी तक मार करने वाली तकनीकों को मजबूत कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत अब केवल परमाणु हथियारों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि उनकी गुणवत्ता और त्वरित उपयोग क्षमता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। यही कारण है कि भारत को अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं बल्कि वैश्विक रणनीतिक शक्ति के रूप में देखा जाने लगा है।

भारत की परमाणु नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित और नियंत्रित रणनीति मानी जाती है। भारत ने लंबे समय से ‘पहले प्रयोग नहीं’ की नीति अपनाई हुई है। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी देश पर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा, लेकिन यदि उस पर परमाणु हमला होता है तो वह पूरी क्षमता के साथ जवाब देगा। इस नीति ने भारत को एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति की छवि प्रदान की है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने ऐसी कोई स्पष्ट नीति घोषित नहीं की है। पाकिस्तान की रणनीति मुख्य रूप से सामरिक परमाणु हथियारों और त्वरित प्रतिक्रिया पर आधारित रही है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की परमाणु नीति को अपेक्षाकृत अधिक स्थिर और

जिम्मेदार माना जाता है।

सिंपरी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत अब अपनी परमाणु क्षमता को तीनों आयामों में मजबूत कर चुका है। इसे परमाणु त्रिस्तरीय क्षमता कहा जाता है। इसका अर्थ है कि भारत भूमि, आकाश और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हमला करने की क्षमता रखता है। भारत के पास अिन श्रृंखला की बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, वायुसेना के लड़ाकू विमान हैं और साथ ही परमाणु क्षमता से लैस पनडुब्बियां भी हैं। इस त्रिस्तरीय क्षमता से भारत की प्रतिरोध शक्ति कई गुना बढ़ जाती है क्योंकि किसी भी दुश्मन के लिए उसकी पूरी परमाणु क्षमता को एक साथ निष्क्रिय करना लगभग असंभव हो जाता है।

भारत ने हाल के वर्षों में अिन 5 जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों पर विशेष ध्यान दिया है। इन मिसाइलों की क्षमता हजारों किलोमीटर दूर तक लक्ष्य को भेदने की है। इसके अलावा भारत ने बहु लक्ष्य प्रहार तकनीक पर भी कार्य किया है, जिसमें एक ही मिसाइल कई लक्ष्यों को एक साथ निशाना बना सकती है। इसे आधुनिक परमाणु युद्ध रणनीति में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। रिपोर्टों के अनुसार भारत कैनिस्टर आधारित मिसाइल प्रणाली और समुद्र आधारित प्रतिरोध क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है।इससे हथियारों की सुरक्षा और त्वरित तैनाती दोनों संभव हो जाती हैं। सिंपरी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया है कि भारत अब कुछ परमाणु वॉरहेड्स को तैनात स्थिति में रखने लगा है। अनुमान है कि लगभग 12 वॉरहेड्स ऐसी स्थिति में हैंजिन्हें कम समय में उपयोग किया जा सकता है। पहले भारत आमतौर पर वॉरहेड्स और मिसाइलों को अलग रखता था, ताकि आक्रमिक संघर्ष की संभावना कम रहे। लेकिन बदलते अंतरराष्ट्रीय माहौल और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों ने भारत को अपनी रणनीति में कुछ परिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यह बदलाव मुख्य रूप से चीन और पाकिस्तान



दोनों की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के कारण हुआ है।

पाकिस्तान की स्थिति भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। भले ही उसके पास भारत से कम परमाणु हथियार हैं, लेकिन वह लगातार विखंडनीय सामग्री जमा कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि यही गति जारी रही तो अगले दशक में पाकिस्तान अपने परमाणु भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकता है। पाकिस्तान लंबे समय से छोटी दूरी के सामरिक परमाणु हथियारों के विकास पर जोर देता रहा है। उसका उद्देश्य भारत की पारंपरिक सैन्य श्रेष्ठता का मुकाबला करना है। पाकिस्तान की सैन्य नीति में परमाणु हथियार केवल अंतिम विकल्प नहीं बल्कि सामरिक संतुलन का साधन भी माने जाते

भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिस्पर्धा नई नहीं है। वर्ष 1998 में दोनों देशों ने परमाणु परीक्षण किए थे, जिसके बाद दक्षिण एशिया औपचारिक रूप से परमाणु शक्ति संपन्न क्षेत्र बन गया। तब से दोनों देशों ने अपनी क्षमता में लगातार विस्तार किया है। हालांकि अंतर यह है कि भारत ने अपनी परमाणु नीति को वैश्विक रणनीतिक शक्ति बनाने की दिशा में विकसित किया, जबकि पाकिस्तान की नीति मुख्य रूप से भारत केकेंद्रित रही। यही कारण है कि भारत अब केवल पाकिस्तान को ध्यान में रखकर नहीं बल्कि चीन जैसी बड़ी शक्तियों को भी ध्यान में रखकर अपनी रणनीति बना रहा है।

चीन का बढ़ता परमाणु भंडार भी भारत की रणनीति को प्रभावित कर रहा है। सिंपरी ने

दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र में जहां पहले भी कई बार तनाव और सैन्य संघर्ष हो चुके हैं, वहां परमाणु प्रतिस्पर्धा विशेष चिंता का विषय बन जाती है।

भारत के लिए चुनौती केवल हथियार बढ़ाने की नहीं बल्कि संतुलन बनाए रखने की भी है। भारत को एक ओर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करनी है तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जिम्मेदार शक्ति की छवि भी बनाए रखनी है। यही कारण है कि भारत लगातार परमाणु निरस्त्रीकरण की वकालत भी करता रहा है। भारत ने हमेशा यह कहा है कि दुनिया को अंततः परमाणु हथियारों से मुक्त होना चाहिए, लेकिन जब तक अन्य देशों के पास ये हथियार हैं तब तक अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। भारत की परमाणु क्षमता में वृद्धि को केवल सैन्य उल्लंघि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह भारत की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सोच का भी परिणाम है। रक्षा अनुसंधान, अंतरिक्ष तकनीक, मिसाइल विकास और नौसैनिक क्षमता में भारत ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यही कारण है कि आज भारत को विश्व की प्रमुख सैन्य शक्तियों में गिना जाता है। सिंपरी की 2026 रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिण एशिया का सामरिक संतुलन तेजी से बदल रहा है। भारत अब पाकिस्तान से आगे निकल चुका है और अपनी दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमता को मजबूत कर रहा है। हालांकि यह बढ़त केवल संख्या की नहीं बल्कि तकनीकी, संचनावत्क और रणनीतिक भी है। आने वाले वर्षों में यह प्रतिस्पर्धा और तेज हो सकती है, विशेषकर तब जब चीन, पाकिस्तान और अन्य वैश्विक शक्तियां अपने परमाणु कार्यक्रमों का विस्तार जारी रखें। ऐसे समय में दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि सुरक्षा और शक्ति की इस दौड़ को विनाशकारी संघर्ष में बदलने से कैसे रोका जाए।

दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र में जहां पहले भी कई बार तनाव और सैन्य संघर्ष हो चुके हैं, वहां परमाणु प्रतिस्पर्धा विशेष चिंता का विषय बन जाती है।

भारत के लिए चुनौती केवल हथियार बढ़ाने की नहीं बल्कि संतुलन बनाए रखने की भी है। भारत को एक ओर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करनी है तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जिम्मेदार शक्ति की छवि भी बनाए रखनी है। यही कारण है कि भारत लगातार परमाणु निरस्त्रीकरण की वकालत भी करता रहा है। भारत ने हमेशा यह कहा है कि दुनिया को अंततः परमाणु हथियारों से मुक्त होना चाहिए, लेकिन जब तक अन्य देशों के पास ये हथियार हैं तब तक अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। भारत की परमाणु क्षमता में वृद्धि को केवल सैन्य उल्लंघि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह भारत की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सोच का भी परिणाम है। रक्षा अनुसंधान, अंतरिक्ष तकनीक, मिसाइल विकास और नौसैनिक क्षमता में भारत ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यही कारण है कि आज भारत को विश्व की प्रमुख सैन्य शक्तियों में गिना जाता है। सिंपरी की 2026 रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिण एशिया का सामरिक संतुलन तेजी से बदल रहा है। भारत अब पाकिस्तान से आगे निकल चुका है और अपनी दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमता को मजबूत कर रहा है। हालांकि यह बढ़त केवल संख्या की नहीं बल्कि तकनीकी, संचनावत्क और रणनीतिक भी है। आने वाले वर्षों में यह प्रतिस्पर्धा और तेज हो सकती है, विशेषकर तब जब चीन, पाकिस्तान और अन्य वैश्विक शक्तियां अपने परमाणु कार्यक्रमों का विस्तार जारी रखें। ऐसे समय में दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि सुरक्षा और शक्ति की इस दौड़ को विनाशकारी संघर्ष में बदलने से कैसे रोका जाए।

तहेंदर तिवारी

नई पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप कानून और नीतियां ही विकसित भारत की आधारशिला

भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां जनसंख्या का सबसे बड़ा हिस्सा युवाओं का है। यही युवा देश की ऊर्जा हैं, यही उसकी रचनात्मक शक्ति हैं और यही आने वाले भारत की दिशा तय करने वाले नागरिक भी हैं। इसलिए जब लोकसभा अध्यक्ष ओम वरिला यह कहते हैं कि कानून, नीतियां और योजनाएं नई पीढ़ी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए, तो यह केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं बल्कि वर्तमान भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता का प्रतिबिंब है। किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं की सोच, क्षमता और अवसरों पर निर्भर करता है। यदि युवा सशक्त होंगे तो देश सशक्त होगा, यदि युवा आत्मविश्वासी होंगे तो राष्ट्र आत्मनिर्भर बनेगा और यदि युवाओं को सही दिशा मिलेगी तो विकसित भारत का लक्ष्य समय से पहले भी प्राप्त किया जा सकता है।

आज का युवा पहले की पीढ़ियों से अलग है। वह तकनीक से जुड़ा हुआ है, वैश्विक घटनाओं से परिचित है और अपने अधिकारों तथा अवसरों के प्रति सजग है। वह केवल रोजगार नहीं चाहता बल्कि सम्मानजनक रोजगार चाहता है। वह केवल शिक्षा नहीं चाहता बल्कि ऐसी शिक्षा चाहता है जो उसे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करे। वह केवल सरकारी योजनाओं का लाभार्थी नहीं बनना चाहता बल्कि विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनना चाहता है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि देश के कानून और नीतियां उसकी बदलती जरूरतों के अनुरूप हों। वर्तमान समय में विज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। रोजगार के परंपरिक स्वरूप बदल रहे हैं और नए अवसर

पैदा हो रहे हैं। ऐसे में शिक्षा व्यवस्था को भी उसी गति से बदलना होगा। यदि कानून और नीतियां युवाओं को आधुनिक कौशल, डिजिटल साक्षरता और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ाने वाली होंगी तो वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत का नेतृत्व कर सकेंगे। नई पीढ़ी के लिए बनाई जाने वाली नीतियों में केवल डिग्री प्राप्त करने पर नहीं बल्कि कौशल विकास, उद्यमिता और अनुसंधान पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

युवा केवल आर्थिक विकास के वाहक नहीं हैं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के भी सबसे प्रभावी माध्यम हैं। इतिहास गवाह है कि जब भी समाज में बड़े परिवर्तन हुए हैं, उनमें युवाओं की भूमिका निर्णायक रही है। आज भी पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, डिजिटल जागरूकता, लैंगिक समानता और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर युवा सबसे अधिक सक्रिय दिखाई देते हैं। इसलिए ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें सकारात्मक परिवर्तन का नेतृत्व करने का अवसर दें। नई पीढ़ी की एक बड़ी विशेषता यह है कि वह पारदर्शिता और जवाबदेही को महत्व देती है। युवा चाहते हैं कि शासन व्यवस्था सरल, पारदर्शी और प्रभावी हो। वे चाहते हैं कि सरकारी सेवाएं डिजिटल माध्यम से आसानी से उपलब्ध हों और निर्णय प्रक्रिया में उनकी आवाज भी सुनी जाए। इसलिए लोकतांत्रिक संस्थाओं और विधािकाओं की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे ऐसे कानून बनाएं जो नागरिकों और सरकार के बीच विश्वास को मजबूत करें। जब युवा यह महसूस करेंगे कि उनकी भागीदारी को महत्व दिया जा रहा है, तब लोकतंत्र और

अधिक सशक्त होगा।

भारत का लक्ष्य वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आंकड़ों से प्राप्त नहीं होगा बल्कि इसके लिए मानव संसाधन के विकास पर भी समान ध्यान देना होगा। देश के करोड़ों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार के अवसर और सुस्थित सामाजिक वातावरण उपलब्ध कराना होगा। यदि युवा अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर पाएंगे तो भारत को विकास यात्रा और अग्रिम तेज हो जाएगा। इसलिए युवाओं से जुड़े मुद्दों को नीति निर्माण के केंद्र में रखना समय की मांग है। आगे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवाओं की आवश्यकताओं में भी बदलाव आया है। ग्रामीण युवा आधुनिक शिक्षा, तकनीक और उद्यमिता के अवसर चाहते हैं, जबकि शहरी युवा वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना चाहते हैं। दोनों वर्गों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए संतुलित और समावेशी नीतियों की आवश्यकता है। विकास तभी सार्थक माना जाएगा जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हर युवा को आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। युवाओं के सामने मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल दबाव और सामाजिक प्रतिस्पर्धा जैसी नई चुनौतियां भी उभर रही हैं। तेजी से बदलती जीवनशैली और बढ़ती अपेक्षाओं के कारण कई युवा तनाव का सामना करते हैं। इसलिए नीतियों में मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण स्थान मिलना चाहिए। एक स्वस्थ और आत्मविश्वासी युवा ही राष्ट्र निर्माण में प्रभावी योगदान दे सकता है। केवल आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसा वातावरण बनाना भी आवश्यक है जिसमें

अधिक सशक्त होगा।

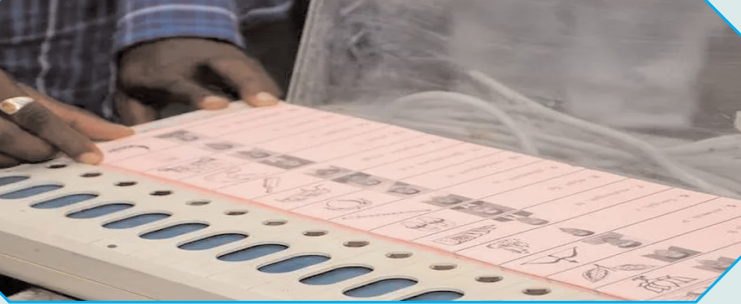
भारत का लक्ष्य वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आंकड़ों से प्राप्त नहीं होगा बल्कि इसके लिए मानव संसाधन के विकास पर भी समान ध्यान देना होगा। देश के करोड़ों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार के अवसर और सुस्थित सामाजिक वातावरण उपलब्ध कराना होगा। यदि युवा अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर पाएंगे तो भारत को विकास यात्रा और अग्रिम तेज हो जाएगा। इसलिए युवाओं से जुड़े मुद्दों को नीति निर्माण के केंद्र में रखना समय की मांग है। आगे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवाओं की आवश्यकताओं में भी बदलाव आया है। ग्रामीण युवा आधुनिक शिक्षा, तकनीक और उद्यमिता के अवसर चाहते हैं, जबकि शहरी युवा वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना चाहते हैं। दोनों वर्गों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए संतुलित और समावेशी नीतियों की आवश्यकता है। विकास तभी सार्थक माना जाएगा जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हर युवा को आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। युवाओं के सामने मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल दबाव और सामाजिक प्रतिस्पर्धा जैसी नई चुनौतियां भी उभर रही हैं। तेजी से बदलती जीवनशैली और बढ़ती अपेक्षाओं के कारण कई युवा तनाव का सामना करते हैं। इसलिए नीतियों में मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण स्थान मिलना चाहिए। एक स्वस्थ और आत्मविश्वासी युवा ही राष्ट्र निर्माण में प्रभावी योगदान दे सकता है। केवल आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसा वातावरण बनाना भी आवश्यक है जिसमें

युवा सुरक्षित, सम्मानित और प्रेरित महसूस करें।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवाशक्ति है। दुनिया की अनेक विकसित अर्थव्यवस्थाएं वृद्ध होती आबादी की चुनौती का सामना कर रही हैं, जबकि भारत के पास युवा जनसंख्या का विशाल आधार है। यह अवसर तभी लाभदायक सिद्ध होगा जब युवाओं को सही दिशा, उचित संसाधन और पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाएं। कानूनों और नीतियों का उद्देश्य केवल प्रशासनिक व्यवस्था चलाना नहीं होना चाहिए बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करने का माध्यम भी होना चाहिए। विकसित भारत का सपना संस्कार या किसी एक संस्था का अकेला लक्ष्य नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का सामूहिक संकल्प है। इस संकल्प को पूरा करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि वे वर्तमान के सहभागी और भविष्य के निर्माता दोनों हैं। जब नीतियां उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप बनेंगी, जब कानून उनकी संभावनाओं को विस्तार देगे और जब समाज उन्हें नेतृत्व के अवसर प्रदान करेगा, तब भारत की प्रगति को नई गति मिलेगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि हर नीति, हर योजना और हर कानून के केंद्र में युवा हों। उनकी शिक्षा, रोजगार, नवाचार, सामाजिक भागीदारी और नेतृत्व क्षमता को ध्यान में रखकर निर्णय लिए जाएं। क्योंकि युवा केवल देश की धड़कन नहीं हैं, वे विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। यदि उनकी ऊर्जा को सही दिशा मिल जाए तो वर्ष 2047 का लक्ष्य केवल एक सपना नहीं रहेगा, बल्कि एक ऐसी वास्तविकता बनेगा जिस पर पूरे राष्ट्र को गर्व होगा।

कतिलाल मांडोत

एक राष्ट्र, एक चुनाव: लोकतंत्र की नई दिशा या संघीय ढांचे पर खतरा?



संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया न केवल महंगी है बल्कि शासन को भी बार-बार बाधित करती है। एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रस्ताव इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं, और उसके 100 दिनों के अंदर स्थानीय निकायों के चुनाव भी। यह विचार नया नहीं है। 1951-52 से 1967 तक भारत में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होते थे। 1967 के बाद कुछ राज्यों में विधानसभाओं के समयपूर्व विघटन से यह व्यवस्था विगड़ गई। रामनाथ कोविंद समिति (2024) और संसदीय संयुक्त समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट्स इस प्रस्ताव के मजबूत समर्थन में हैं। जेपीसी के अनुसार, एक साथ चुनावों से लगभग 7 लाख करोड़ रुपये की बचत हो सकती है, शासन की दक्षता बढ़ेगी और भारत की जीडीपी वृद्धि में 1.6 प्रतिशत तक का इजाफा संभव है।

लाभ स्पष्ट है:

लाभ बचत: अलग-अलग चुनावों में सुरक्षा बलों, कर्मचारियों और संसाधनों का बार-बार उपयोग नहीं होगा।

नीति स्थिरता: आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के बार-बार लागू होने से विकास कार्य रुकते हैं। एक साथ चुनाव इससे मुक्ति

दिला सकते हैं।

मतदाता थकान कम: बार-बार मतदान से voter turnout बढ़ सकता है और प्रशासन विकास पर फोकस कर सकेगा।

राष्ट्रीय एकता: यह राष्ट्र को एकजुट करने का प्रतीक भी बन सकता है।

चुनौतियां भी कम नहीं। विपक्षी दल इसे संघीय ढांचे पर हमला मानते हैं। उनका तर्क है कि राष्ट्रीय मुद्दे राज्य के स्थानीय मुद्दों को दबा देंगे, जिससे क्षेत्रीय पार्टियां कमजोर होंगी। यदि कोई सरकार गिरती है तो पूरे चक्र प्रभावित होगा, जिसके लिए संवैधानिक संशोधन (जैसे अनुच्छेद 83, 172) जरूरी है। कुछ का कहना है कि यह 'एक राष्ट्र, एक संस्कृति' की सोच का विस्तार है, जो भारत की विविधता को नुकसान पहुंचा सकता है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव निस्संदेह लोकतंत्र को अधिक कुशल बना सकता है, लेकिन इसके लिए व्यापक सहमति और सावधानीपूर्वक क्रियान्वयन आवश्यक है। सर्विधान की मूल भावना—संघवाद और विविधता—को बनाए रखते हुए यदि इसे लागू किया जाए, तो यह भारत के शासन को मजबूत कर सकता है। समय आ गया है कि राजनीतिक दल राष्ट्रीय हित को व्यक्तिगत या क्षेत्रीय लाभ से ऊपर रखें। यह सुधार अपार सफल हुआ, तो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

संत रैदास और तथाकथित ब्राह्मणवाद

- डॉ. ज्ञानवती दीक्षित

जब भी किसी संत-कवि की चर्चा होती है, ब्राह्मणों की आलोचना लगभग अनिवार्य हो गई है। एक खलनायक खड़ा कर दिया गया है, जो हर कथा में बुवाई का प्रतीक बन जाता है।

मैंने इस लेख में जाति-विरोध नहीं, बल्कि ब्राह्मणों के विरुद्ध फैलाई जा रही नकारात्मकता और ऐतिहासिक मिथ्या प्रचार पर विचार किया है। क्या आधुनिक भारत में ब्राह्मणों की दुर्दशा न्यायसंगत है?

आधुनिक इतिहासकार और बुद्धिजीवी ब्राह्मणों को शोषक, अंधविश्वासी और वर्ण-व्यवस्था का जनक बताते हैं। वे दावा करते हैं कि ब्राह्मणों ने अन्य जातियों को शिक्षा से वंचित रखा और ग्रंथों की रचना केवल अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए की। ये तर्क पूर्णतः खोखले हैं। इनके पीछे कोई ठोस ऐतिहासिक प्रमाण नहीं, केवल दो शताब्दियों का निरंतर प्रचार है।

ब्राह्मण सदा निर्धन रहे। उनका मुख्य कर्म पुजारि, पुरोहित या गुरु का था, जो पिशा पर निर्भर था। चाहतयन ने चंद्रगुप्त को अखंड भारत बनाने में मदद की, पर राज-सुख त्याग दिया। सुदामा निर्धन ब्राह्मण थे। श्रीकृष्ण यादव थे, राम क्षत्रिय, व्यास मछुआरिन के पुत्र। वाल्मीकि, कबीर, रैदास, तिरुक्कलुवर जैसे असंख्य गैर-ब्राह्मण संतों ने उच्चतम साहित्य रचा। ब्राह्मणों ने कभी विद्या पर एकाधिकार नहीं रखा।

ब्राह्मण अहिंसा के प्रतीक रहे। औरंगजेब ने बनारस-हरिद्वार में डेढ़ लाख ब्राह्मणों की हत्या करवाई, उनके जनेऊ से आग संकी। पुर्तगालियों ने गोवा में लाखों कोंकणी ब्राह्मणों को क्रॉस पर चढ़ाया। टीपू सुल्तान ने मेलकोट में 800 ब्राह्मणों की हत्या की। कश्मीर में पाँच लाख पंडितों को निकाला गया, हजारों मारे गए। ब्राह्मणों ने कभी प्रतिहिंसा नहीं की। फिर भी आज उन्हें शोषक बताया जाता है, जबकि आक्रमणकारियों को 'भाई' या 'वीर' का दर्जा मिलता



है।

आज 60% ब्राह्मण गरीबी रेखा से नीचे हैं। कर्नाटक के सरकारी आंकड़ों में ब्राह्मण सबसे कम आय वाले समूह में हैं। प्रतिभाशाली ब्राह्मण युवा विदेश पलायन कर रहे हैं। फिर भी 'ब्राह्मणवाद' का शोर जारी है।

संत रैदास (लगभग 1388-1527 ई.) चर्मकार परिवार में जन्मे, पर उनके गुरु ब्राह्मण थे और शिष्या राजमहिषी मीरा थीं। वे भक्ति आंदोलन के प्रमुख संत थे। उन्होंने जाति-पाँत का खंडन किया, भक्ति-मस्जिद दोनों से परे ईश्वर की खोज पर जोर दिया।

> 'रैदास न पूजइ देहरा, अरु न मर्माजिद जाय।

> जंह-जंह ईस का बास है, तंह-तंह सीस नवाय॥'

उन्के 40 पद गुरु ग्रंथ में संकलित हैं। रैदास ब्राह्मण-विरोधी नहीं, बल्कि साहित्य-मुक्त आध्यात्मिक

समानता के प्रतीक थे। ब्राह्मण समाज के लिए खतरा नहीं हैं। वे ज्ञान, अहिंसा और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की परंपरा के वाहक रहे। उनकी दुर्दशा का कारण उनकी अहिंसा और एकता की कमी है। नई पीढ़ी को अपनी विरासत समझनी चाहिए, सड़कछाप नेताओं के प्रचार में न आना चाहिए। ब्राह्मणों पर लगातार कीचड़ उछलाना न केवल अन्याय है, बल्कि भारतीय संस्कृति की जड़ों पर प्रहार है। सत्य को पहचानने का समय आ गया है।

दैनिक राशिफल

मेघ आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए कार्य पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ धैर्य और समझदारी से काम लेने का दिन है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन करियर में प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। यात्रा के योग बन रहे हैं। दायत्व जीवन में मधुरता रहेगी।

कर्क भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

सिंह मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापारियों को लाभ मिलने के संकेत हैं। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से संपर्क लाभदायक रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ है।

तुला भाग्य का साथ मिलेगा। लंबे समय से



रुका हुआ कार्य पूरा हो सकता है। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

वृश्चिक कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन सफलता मिलेगी। धन लाभ के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

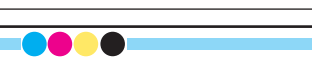
धनु नई संभावनाएं सामने आएंगी। नौकरी और व्यवसाय में उन्नति के संकेत हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। यात्रा लाभदायक हो सकती है।

मकर मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी शुभ समाचार की प्रसि्ति हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कुंभ रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। करियर में नई उपलब्धियां हासिल हो सकती हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन आज का दिन सकारात्मक रहेगा। नौकरी और व्यवसाय में लाभ के योग हैं। पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ल विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेत रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:-**उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I.NO. UPHIN/2009/34814 मो 0 नं -95 11 15 1254,E-Mail :- news@swatantraprabhat.com**



संक्षिप्त खबरें

उद्यान विभाग द्वारा मत्वा भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने गहन किया प्रसाद



लखनऊ। राजधानी लखनऊ के उद्यान विभाग द्वारा आयोजित भव्य भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और बजरंगबली के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर उद्यान लिपिक संघ के अध्यक्ष दीपक उपाध्याय, महामंत्री राजेश सिंह, उपाध्यक्ष मनोज वर्मा, संयुक्त मंत्री अतुल कपूर तथा कोषाध्यक्ष मिश्रीलाल सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। भंडारे में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति एवं श्रद्धा का माहौल बना रहा। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से आपसी सौहार्द और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

पिता ने ससुराल पक्ष पर लगाया

हत्या का आरोप
लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के खजूर गांव में सोमवार को एक नवविवाहिता की संधिध परिस्थितियों में फांसी पर लटकने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। डलमऊ क्षेत्र के पूरे तिलंगा मन्जे जोहवा नटकी निवासी रमेश कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी प्रिया (23) का विवाह मार्च 2025 में खजूर गांव निवासी रामकृष्ण यादव के साथ किया था। उनका आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुराल वाले बेटी को प्रताड़ित करते थे। कई बार मारपीट कर उसे घर से भी निकाल दिया गया था। रमेश कुमार के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से शक्ति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्राप शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी अभिलेखों के आधार पर भूमि हड़पने का आरोप, न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के गंगासो गांव निवासी एक व्यक्ति ने फर्जी अभिलेख तैयार कर पुरैनी भूमि हड़पने का आरोप लगाते हुए न्यायालय में प्रार्थना पत्र दायित्व किया था। मामले का संज्ञान लेते हुए न्यायालय के आदेश पर कोतवाली सेरेनी पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गंगासो निवासी देवेश पाण्डेय ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया था कि उनके बाबा शिवलाल पाण्डेय की मृत्यु वर्ष 1966 में कानपुर में हुई थी, जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र भी उपलब्ध है। इसके बावजूद विपक्षी पक्ष ने कथित रूप से कूटर्चिंत पारिवारिक रजिस्टर और अन्य अभिलेख तैयार कर शिवलाल पाण्डेय की मृत्यु वर्ष 2012 दर्शाते हुए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा लिया। शिकायतकर्ता के अनुसार ग्राम गंगासो में स्थित लगभग 0.587 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा करने और अभिलेखों में नाम दर्ज कराने के उद्देश्य से यह कथित कूटचना की गई। आरोप है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भूमि के अभिलेखों में हेरफेर का प्रयास किया गया, जबकि संबंधित व्यक्ति का गांव से कोई वास्तविक संबंध नहीं था। देवेश पाण्डेय का कहना है कि उन्होंने मामले की शिकायत कई बार पुलिस अधिकारियों से की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर कोतवाली सेरेनी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि दर्ज मुकदमे की विवेचना के दौरान उपलब्ध दस्तावेजों और साक्ष्यों की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला: अवैध हिरासत पर पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही

● व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज — इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में एक मामले में पुलिस की मनमानी पर सख्त टिप्पणी करते हुए अवैध हिरासत के लिए मुआवजे का आदेश दिया है। सोशल मीडिया पर इस फैसले को 'ऐतिहासिक' और पूरे उत्तर प्रदेश में व्यापक दिशा-निर्देश के रूप में वायरल किया जा रहा है, जिसमें 25,000 प्रतिदिन मुआवजा, 8 दिन की हिरासत पर 2 लाख, और प्रयागराज पुलिस कमिश्नर को 14 सितंबर तक रिपोर्ट देने का जिम्मा है। वास्तविक फैसला इनमें से कुछ बिंदुओं पर आधारित है, लेकिन यह एक विशिष्ट मामले (मंतब मिश्रा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य) पर केंद्रित है, जिसमें 24 घंटे की अवैध हिरासत के लिए 25,000 मुआवजा और 10,000 लागत का आदेश दिया गया।

मामले की पृष्ठभूमि
याचिकाकर्ता मंतब मिश्रा 26 नवंबर 2022 को प्रयागराज के हंडिया क्षेत्र में अपने खेतों से लौटे थे। उनके भाई की बहू द्वारा घरेलू विवाद की शिकायत पर सब-इंस्पेक्टर सूर्य प्रकाश दुबे उनके घर पहुंचे। कोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारी ने उन्हें लुंगी-कुर्ते में घसीटकर बाहर निकाला, पुलिस चौकी और फिर थाने के लॉकअप में 24 घंटे तक अवैध रूप से बंद रखा। हिरासत के दौरान रिश्तत की मांग भी की गई। कोई संज्ञेय अपराध दर्ज नहीं था, और यह ब्रह्महत्या का आरोप लगाया है। डलमऊ क्षेत्र के पूरे तिलंगा मन्जे जोहवा नटकी निवासी रमेश कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी प्रिया (23) का विवाह मार्च 2025 में खजूर गांव निवासी रामकृष्ण यादव के साथ किया था। उनका आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुराल वाले बेटी को प्रताड़ित करते थे। कई बार मारपीट कर उसे घर से भी निकाल दिया गया था। रमेश कुमार के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से शक्ति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्राप शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संतराम बी0ए0 जन चेतना समिति द्वारा संतराम बी0ए0 का 38 वां परिनिर्वाण दिवस मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 31 मई 2026 संतराम बी0ए0 जन चेतना समिति के तत्वाधान में आज हरिहर नगर के इंदिरा नगर में महान समाज सुधारक जाति -पाति तोड़क मंडल के संस्थापक एवं स्त्री शिक्षा के प्रबल समर्थक परम श्रद्धेय संतराम बी0ए0 का 38 वां परिनिर्वाण दिवस श्रद्धा एवं संकल्प के साथ बनाया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सतीश चंद्र प्रजापति राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक समझदार अध्यक्ष अरविंद कुमार प्रजापति द्वारा आयोजित संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ संतराम बी0ए0 जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। अपने उद्बोधन में सतीश चंद्र प्रजापति जी ने संतराम बी0ए0जी को महान व्यक्ति के साथ एक महान विचारक थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन जाति-पात के भेदभाव को मिटाने और महिलाओं की शिक्षा के प्रबल समर्थक। आज उनके विचार अर्थात् अवैध मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर एस.एन. कश्यप, सतीश कुमार कश्यप, राजीव रतन चन्द्र अति पिछड़ा महासभा



भरेलू मामला था। याचिकाकर्ता ने बाद में उच्च पदाधिकारियों को शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई, जिसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ अधिकारी द्वारा जांच का अनुरोध किया गया था। हाईकोर्ट की टिप्पणियां और आदेश (जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस संजीव कुमार की बेंच) - **व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन:** कोर्ट ने कहा कि पुलिस अधिकारी ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का 'लापरवाही से' (recklessly) उल्लंघन किया। पुलिस को घरेलू विवाद में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं था, जब तक कोई संज्ञेय अपराध न हो।
- **पुलिस की मानसिकता:** कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की - 'पुलिस अधिकारी लगातार नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, यह सोचकर कि उनके गलत कामों पर किसी का ध्यान नहीं जाएगा।' ऐसे मामलों में बहुत कम लोग अदालत तक पहुंचते हैं।
- **मुआवजा:** उत्तर प्रदेश सरकार की 2021 की नीति का हवाला देते हुए कोर्ट ने

आदेश।
- लंबी अवैध हिरासत (जैसे 79 दिन) में 1 लाख या अधिक मुआवजे के उदाहरण।
- पुलिस अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई और सैलरी से वसूली का प्रावधान।
वायरल दावों की वास्तविकता
- 25,000 प्रति दिन और 2 लाख (8 दिन) इस विशिष्ट आदेश में नहीं है, बल्कि 24 घंटे के मामले में लागू हुआ।
- प्रयागराज पुलिस कमिश्नर को 14 सितंबर तक रिपोर्ट - इस फैसले में सीधे उल्लेख नहीं मिला; यह अन्य समान मामलों या अनुपालन से जुड़ा हो सकता है।

कानूनी विशेषज्ञों की राय
यह फैसला पुलिस सुधार की दिशा में मजबूत कदम है। यह अधिकारियों में जवाबदेही बढ़ाएगा और नागरिकों को अवैध हिरासत के खिलाफ अदालत जाने का भरोसा देगा। हालांकि, प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा। याचिकाकर्ता को सिविल मुकदमे में अधिक मुआवजे का अधिकार भी सुरक्षित रखा गया। हाई कोर्ट ने एक बार फिर दोहराया कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता सर्वोपरि है और पुलिस कानून से ऊपर नहीं। यह फैसला उन हजारों मामलों के लिए मिसाल बन सकता है जहां शांति भंग या अन्य बर्हानों से निर्दोषों की स्वतंत्रता छीनी जाती है। पूरे उत्तर प्रदेश में पुलिस प्रशासन को अब सतर्क रहना होगा। पूर्ण फैसला (Matambar Mishra vs. State of U.P., 2026) सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध होने पर और विस्तार से पढ़ा जा सकता है। यह नागरिक अधिकारों की रक्षा में न्यायपालिका की सक्रिय भूमिका को उदाहरण है।

ऐतिहासिक संदर्भ और प्रभाव
इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पहले भी पुलिस की मनमानी पर सख्ती दिखाई है:
- शांति भंग के नाम पर फर्जी चालान और अवैध हिरासत के मामलों में मुआवजे के

भंडारे का हुआ आयोजन



बिसवा सीतापुर- आज बिसवां तहसील की ग्राम पंचायत मुजुईनपुर के लालपुर कोठी निवासी श्रीराम यादव व उनके पुत्रों सुशील कुमार यादव सुशील कुमार यादव आशीष कुमार यादव व पौत्र निर्मल कुमार यादव के द्वारा श्री त्यागी जी महाराज को लालपुर कुटी अचल प्रजापति, राम आधार प्रजापति, शांति स्वरूप वर्मा एवं अन्य स्थानीय अधिकार एवं महिलाएं उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संतराम बी0ए0 जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। अपने उद्बोधन में सतीश चंद्र प्रजापति जी ने संतराम बी0ए0जी को महान व्यक्ति के साथ एक महान विचारक थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन जाति-पात के भेदभाव को मिटाने और महिलाओं की शिक्षा के प्रबल समर्थक। आज उनके विचार अर्थात् अवैध मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर एस.एन. कश्यप, सतीश कुमार कश्यप, राजीव रतन चन्द्र अति पिछड़ा महासभा

पक्का पुल से सीतापुर रोड तक 15 मीटर चौड़ी होगी बंधा रोड

● एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने दिसम्बर, 2026 तक कार्य पूर्ण करने के दिव्ये निर्देश

3.37 किलोमीटर लंबी बंधा रोड चौड़ी होने से 10 लाख की आबादी को मिलेगा फायदा

अलीगंज स्टेडियम में स्वीमिंग पूल- बैडमिंटन कोर्ट, जानकीपुरम में कम्प्यूनिटी सेंटर बनेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पक्का पुल से सीतापुर रोड तक 3.37 किलोमीटर लंबी बंधा रोड 15 मीटर तक चौड़ी होगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने 38 करोड़ रुपये की लागत से स्थल पर कार्य शुरू कर दिया है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने मंगलवार को परियोजना का निरीक्षण करके इस वर्ष के अंत तक कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया कि पक्का पुल से प्रियदर्शिनी योजना को होते हुए सीतापुर रोड से कनेक्ट होने वाली यह बंधा रोड वर्तमान में 05 मीटर चौड़ी है। इस रोड पर ट्रैफिक का काफी दबाव रहता है। यहां आये दिन ट्रैफिक जाम की

समस्या बनी रहती है, जोकि पीक आवर्स में बढ़ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए बंधा रोड को 15 मीटर तक चौड़ा किया जाएगा। जिसके लिए मौके पर मिट्टी भरवाई का कार्य शुरू करा दिया गया। दिसम्बर, 2026 तक कार्य पूर्ण करा लिया जाएगा और सड़क पर वाहन फरोटा भरेंगे। बंधा रोड का चौड़ीकरण होने से खदरा, मदेयगंज, फैजुल्लागंज, प्रियदर्शिनी योजना समेत आसपास की लगभग 10 लाख की आबादी को बड़ी राहत मिलेगी। निरीक्षण में मुख्य अभियंता मानवेन्द्र सिंह, अधीक्षण अभियंता नवनीत शर्मा, जेनरल अधिकारी माधवेश कुमार एवं वंदना पाण्डेय, नजूल अधिकारी प्रभाकर सिंह, अधिशासी अभियंता अजीत कुमार एवं नीरज कुमार समेत अन्य अधिकारी व अभियंता उपस्थित रहे।

अलीगंज स्टेडियम में बनेगा स्वीमिंग पूल

अलीगंज स्थित एलडीए स्टेडियम में स्वीमिंग पूल, इन्डोर बैडमिंटन कोर्ट व नया बास्केटबॉल कोर्ट बनेगा। इससे लोगों को नयी और बेहतर खेल सुविधाएं प्राप्त होंगी। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने स्टेडियम का निरीक्षण करके इस सम्बंध में निर्देश दिये हैं। स्टेडियम में पहले से निर्मित जिम



अभी निष्प्रयोज्य है। उपाध्यक्ष ने जिम में सुविधाओं को उच्चैकृत करके इसे शीघ्र संचालित करने के भी निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कार्यों को समय से पूरा न करने पर कार्रवाई की जाएगी।
जानकीपुरम में कम्प्यूनिटी सेंटर बनेगा
जानकीपुरम में कुर्सी रोड पर सरगम अपार्टमेंट के पास रिक्त पड़ी लगभग 14,800 वर्गमीटर भूमि पर कम्प्यूनिटी सेंटर का निर्माण व हॉर्टिकल्चर के कार्य कराये जाएंगे। उपाध्यक्ष ने स्थल निरीक्षण करके इस बाबत निर्देश दिये हैं। उपाध्यक्ष ने जानकीपुरम में मौर्षा विहार से जानकी विहार कालोनी के मध्य 1600 मीटर लंबे आरसीसी नाले के निर्माण कार्य की प्रगति भी देखी। 03 करोड़ रुपये की लागत को नाले का निर्माण होने से 02 लाख की आबादी को जलभराव की समस्या से निजात मिलेगा।

पुलिस को सौंपी जायेगी फर्जी डार्क रूम सहायकों की जांच, डीजी स्वस्थय ने 16 जिलों से मांगी सेवा पंजिका

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग में डार्क रूम सहायक के पद पर 21 व्यक्तियों के फर्जी दस्तावेजों के बल पर नौकरी करने की जांच पुलिस को सौंपने की तैयारी है। स्वास्थ्य महानिदेशक (डीजी) ने उन 16 जिलों के सीएमओ से डार्क रूम सहायकों की सेवा पंजिका तलब की है, जिनके यहां फर्जी दस्तावेजों के बल पर नौकरी करने की शिकायतें हैं। दूसरी ओर फर्जी ढंग से नौकरी कर रहे 21 सहायक अस्पतालों से लापता हैं। अधीनस्थ चयन सेवा आयोग ने 2016 के डार्क रूम सहायक के 355 पदों पर भर्ती की थी। इनमें से 337 लोगों ने ही सेवा में आये। इस कुछ असेसे बावजूद व्यक्तियों के नाम, पता के फर्जी दस्तावेज तैयार करके 21 लोगों ने डार्क रूम सहायक की सेवा शुरू कर दी थी। मानव संपदा पोर्टल से गड़बड़ी पकड़ी गयी, जिसमें खुलासा हुआ कि सुधीर कुमार नाम के छह व्यक्ति नौकरी कर रहे हैं, इनमें एक सही पांच फर्जी हैं। अंशुल कुमार नाम के तीन लोग नौकरी में थे, इनमें एक सही दो फर्जी थे। एक महिला फर्जी नाम से नौकरी कर रही थी। ऐसे 21 लोगों के नाम सामने आये। गत माह हुए इस खुलासे पर स्वास्थ्य विभाग ने आंतरिक जांच करायी, मगर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा।

आदेश।
- लंबी अवैध हिरासत (जैसे 79 दिन) में 1 लाख या अधिक मुआवजे के उदाहरण।
- पुलिस अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई और सैलरी से वसूली का प्रावधान।
वायरल दावों की वास्तविकता
- 25,000 प्रति दिन और 2 लाख (8 दिन) इस विशिष्ट आदेश में नहीं है, बल्कि 24 घंटे के मामले में लागू हुआ।
- प्रयागराज पुलिस कमिश्नर को 14 सितंबर तक रिपोर्ट - इस फैसले में सीधे उल्लेख नहीं मिला; यह अन्य समान मामलों या अनुपालन से जुड़ा हो सकता है।

कानूनी विशेषज्ञों की राय

यह फैसला पुलिस सुधार की दिशा में मजबूत कदम है। यह अधिकारियों में जवाबदेही बढ़ाएगा और नागरिकों को अवैध हिरासत के खिलाफ अदालत जाने का भरोसा देगा। हालांकि, प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा। याचिकाकर्ता को सिविल मुकदमे में अधिक मुआवजे का अधिकार भी सुरक्षित रखा गया। हाई कोर्ट ने एक बार फिर दोहराया कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता सर्वोपरि है और पुलिस कानून से ऊपर नहीं। यह फैसला उन हजारों मामलों के लिए मिसाल बन सकता है जहां शांति भंग या अन्य बर्हानों से निर्दोषों की स्वतंत्रता छीनी जाती है। पूरे उत्तर प्रदेश में पुलिस प्रशासन को अब सतर्क रहना होगा। पूर्ण फैसला (Matambar Mishra vs. State of U.P., 2026) सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध होने पर और विस्तार से पढ़ा जा सकता है। यह नागरिक अधिकारों की रक्षा में न्यायपालिका की सक्रिय भूमिका को उदाहरण है।

एडीएम (नगर पूर्वी) द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ के आवेदन पर विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल के प्रबंधन को विद्यालय का कब्जा दिलाने के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जून, 2026 एडीएम (नगर पूर्वी) द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ के आवेदन पर विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल के प्रबंधन को विद्यालय का कब्जा दिलाने के आदेश। संयुक्त शिक्षा निदेशक षष्ठ मंडल, लखनऊ डा. प्रदीप कुमार से एडीएम (नगर पूर्वी) के विद्यालय प्रबंधन को कब्जा दिलाने के आदेश जारी किए जाने की सूचना मिलने पर जिला संगठन की ओर से प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डॉ. आर.पी. मिश्र, महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, जिलामंत्री महेश चंद्र एवं प्राचार्य शिक्षक समन्वय समिति के संयोजक अनिल कुमार वर्मा तत्काल विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल, नरही पहुंचे। उसके पश्चात विद्यालय प्रबंधिका संतोष रस्तोगी एसीपी आदि पुलिस अधिकारियों को सूचना देने के पश्चात विद्यालय पहुंची कुछ समय के पश्चात हजरतगंज थाने की पुलिस आई और जब उससे ताला खुलवाने का अनुरोध किया गया तो उन्होंने प्रबंधिका से कहा कि पहले फोर्स के लिए नियमानुसार निर्धारित शुल्क जमा करिए और उसके बाद जब

बड़े मंगलवार पर भक्ति में डूबा, ऐहार और बाल्हेमऊ में उमड़ा आस्था का सैलाब

● जयकारों से गुँजा पूरा वातावरण, जमकर छका प्रसाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। ज्येष्ठ माह के छठवें बड़े मंगलवार को क्षेत्र भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आया। ऐहार गांव स्थित पुराने सरकारी अस्पताल के सामने बने हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर संकटमोचन हनुमान जी की आराधना की। इसके बाद आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। संकट मोचन हनुमान कमेटी द्वारा वर्षों से चली आ रही इस परंपरा ने एक बार फिर सामाजिक समरसता और धार्मिक आस्था का संदेश दिया। मंदिर परिसर जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से गुँजा उठा। कार्यक्रम में मयंक शुकला, विकास शुक्ला, सोनू शर्मा, रामजी, श्याम जी, नवलकिशोर, संजय निर्मल, शोभित, सुजीत निर्मल, राहुल, निर्मल, धरम गुप्ता, आलोक तिवारी, रजनीश



पटवा, सहित समस्त कमेटी सदस्य एवं ग्रामवासी मौजूद रहे। वहीं बाल्हेमऊ नहर पुल पर भी श्रद्धा और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। यहां आयोजित विशाल भंडारे में राहगीरों, श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। सेवा भाव से अंतर्प्रोत युवाओं ने पूरे दिन प्रसाद वितरण कर मानव सेवा का ही सच्ची भक्ति का स्वरूप बताया। इस अवसर पर पुनीत सैनी, वॉरेंड सैनी, बबलू साहू, डॉ. चांदसी, कमल मिस्त्री, रिंकू चौरसिया, गुगल सैनी, दुर्गाेश कुमार, मनमोहन सविता, संजय सैनी सहित अनेक श्रद्धालु बजरंगबली के जयकारों से गुँजा उठा। कार्यक्रम में मयंक शुकला, विकास शुक्ला, सोनू शर्मा, रामजी, श्याम जी, नवलकिशोर, संजय निर्मल, शोभित, सुजीत निर्मल, राहुल, निर्मल, धरम गुप्ता, आलोक तिवारी, रजनीश

आईसीएआई की राष्ट्रीय समिति में विशेष सदस्य बने सीए आर.सी. त्रिपाठी

भदोही। जनपद के वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट आर.सी. त्रिपाठी को भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान (आईसीएआई), नई दिल्ली की आंतरिक लेखा परीक्षण मानक बोर्ड में वर्ष 2026-27 के लिए विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया गया है। सीए त्रिपाठी ने बताया कि यह बोर्ड आंतरिक लेखा परीक्षण के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले मानक एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का कार्य करता है। बोर्ड समय-समय पर मार्गदर्शिका एवं तकनीकी पुस्तिकाएं जारी कर पेशेवरों को व्यावहारिक सहायता प्रदान करता है। करीब चार दशक से चार्टर्ड अकाउंटेंसी पेशे से जुड़े सीए त्रिपाठी ने इस दायित्व के लिए आईसीएआई नेतृत्व का आभार जताते हुए जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा से करने का विश्वास व्यक्त किया। उनकी नियुक्ति पर भदोही बड़े वाराणसी चार्टर्ड अकाउंटेंट एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

एडीएम (नगर पूर्वी) द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ के आवेदन पर विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल के प्रबंधन को विद्यालय का कब्जा दिलाने के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जून, 2026 एडीएम (नगर पूर्वी) द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ के आवेदन पर विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल के प्रबंधन को विद्यालय का कब्जा दिलाने के आदेश। संयुक्त शिक्षा निदेशक षष्ठ मंडल, लखनऊ डा. प्रदीप कुमार से एडीएम (नगर पूर्वी) के विद्यालय प्रबंधन को कब्जा दिलाने के आदेश जारी किए जाने की सूचना मिलने पर जिला संगठन की ओर से प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डॉ. आर.पी. मिश्र, महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, जिलामंत्री महेश चंद्र एवं प्राचार्य शिक्षक समन्वय समिति के संयोजक अनिल कुमार वर्मा तत्काल विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल, नरही पहुंचे। उसके पश्चात विद्यालय प्रबंधिका संतोष रस्तोगी एसीपी आदि पुलिस अधिकारियों को सूचना देने के पश्चात विद्यालय पहुंची कुछ समय के पश्चात हजरतगंज थाने की पुलिस आई और जब उससे ताला खुलवाने का अनुरोध किया गया तो उन्होंने प्रबंधिका से कहा कि पहले फोर्स के लिए नियमानुसार निर्धारित शुल्क जमा करिए और उसके बाद जब



किया गया था उस आदेश की प्रति की प्रति पहले विपक्षी पार्टी को दे दी गई और उसके पश्चात विद्यालय प्रबंधिका को आवेदन करने पर मिली। इसी के साथ पुलिस प्रशासन द्वारा यह कहा जाना कि पहले निर्धारित शुल्क जमा कराकर आदेश लेने के बाद विद्यालय खुलवाने की बात कहा जाना विपक्षी पार्टी को उच्च न्यायालय में जाने के लिए समय देना ही दर्शाता है। डॉ. मिश्र ने कहा कि एडीएम (नगर पूर्वी) का निर्णय भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि विद्यालय की संपत्ति जो माध्यमिक शिक्षा परिषद में बंधक है और इस आधार पर मान्यता मिली है वहां 243 लड़कियां पढ़ रही है तथा शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय संचालित किया जाता है तथा उसका नियंत्रण भी है। खाना सोचे समझे एडीएम द्वारा विद्यालय खाली कराए जाने का आदेश दिया आदेश दिया जाना भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है।

बिसवां में बड़े मंगल पर लगा विशाल भंडार, हजारों भक्तों ने पाया प्रसाद

आदेश होगा तब ताला खुल जाएगा। ताला खुलवाने के लिए काफी जदोजहद हुई। प्रबंधिका संतोष रस्तोगी ने कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक से वार्ता हुई है उन्होंने कहा है पैसा जमा करा दीजिए। इस पर प्रादेशिक उपाध्यक्ष डॉ. आर.पी. मिश्र ने प्रबंधिका संतोष रस्तोगी एवं पुलिस वालों से कहा कि जब लखनऊ इंटर कॉलेज का ताला खुलवाने के लिए एसीएम के आदेश का ताला खुलवाने के लिए एसीएम के आदेश पर जिला संगठन की ओर से प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डॉ. आर.पी. मिश्र, महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, जिलामंत्री महेश चंद्र एवं प्राचार्य शिक्षक समन्वय समिति के संयोजक अनिल कुमार वर्मा तत्काल विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल, नरही पहुंचे। उसके पश्चात विद्यालय प्रबंधिका संतोष रस्तोगी एसीपी आदि पुलिस अधिकारियों को सूचना देने के पश्चात विद्यालय पहुंची कुछ समय के पश्चात हजरतगंज थाने की पुलिस आई और जब उससे ताला खुलवाने का अनुरोध किया गया तो उन्होंने प्रबंधिका से कहा कि पहले फोर्स के लिए नियमानुसार निर्धारित शुल्क जमा करिए और उसके बाद जब

बिसवां में बड़े मंगल पर लगा विशाल भंडार, हजारों भक्तों ने पाया प्रसाद



बिसवां सीतापुर- ज्येष्ठ मास के बड़े मंगल के पानवा मौके पर बिसवां में भक्ति का माहौल देखने को मिला। महमूदाबाद रोड स्थित तिवारी ट्रेडर्स के पास पंडित विशाल तिवारी की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से ही भंडारे में प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। पंडित विशाल तिवारी ने सबसे पहले हनुमान जी की पूजा-अर्चना की। इसके बाद भंडारे का शुभारंभ हुआ। भंडारे में पूड़ी-सब्जी, बूंदी और शरबत का प्रसाद बांटा गया। गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग भंडारे में पहुंचे। बच्चे, बूढ़े और महिलाओं ने कतार में लगकर प्रसाद ग्रहण किया। राहगीरों की भी रोक-थोककर प्रसाद दिया गया। आयोजक पंडित विशाल तिवारी ने बताया कि बड़े मंगल पर हनुमान जी की पूजा का विशेष महत्व है। इसी परंपरा को आगे बढ़ते हुए हर साल भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस बार भी हजारों लोगों ने प्रसाद पाया। भंडारे को सफल बनाने में स्थानीय लोगों और युवाओं ने पूरा सहयोग दिया। देर शाम तक भंडारा चलता रहा। पूरे इलाके में जय बजरंग बली के जयकारे गुंजते रहे।

यूपी में छात्राओं को मुफ्त में मिलेगी स्कूटी

लखनऊ। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। योजना के तहत उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही मेधावी छात्राओं को मुफ्त इलेक्ट्रिक स्कूटी देने की तैयारी है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने बजट में 400 करोड़ रुपये का प्रविधान भी किया है। उच्च शिक्षा विभाग इस योजना को लेकर अब तक दो बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष प्रस्तुतीकरण दे चुका है। पिछले माह भी प्रस्तुतीकरण हुआ था और मंगलवार को एक बार फिर योजना का खाले मुख्यमंत्री के सामने रखा गया। हालांकि अभी इस पर फिरोडे आर्थि फैसला नहीं लिया है। प्रांरिष्क आकलन के अनुसार योजना के पहले चरण में प्रदेश की 50 हजार से अधिक छात्राओं को इलेक्ट्रिक स्कूटी का लाभ मिल सकता है। योजना का उद्देश्य छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना, उनकी आवाजाही आसान बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार कुछ और आंकड़ों और जानकारियों के साथ दोबारा प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। इसके बाद योजना के स्वरूप, पात्रता और लाभार्थियों की संख्या पर अंतिम निर्णय होगा।

संक्षिप्त खबरें

लुधियाना में 15 जून से 30 सितंबर तक 24*7 बाढ़ इमरजेंसी कंट्रोल रूम काम करेंगे



लुधियाना- डिटी कमिश्नर (DC) हिमांशु जैन ने मंगलवार को कहा कि लुधियाना जिले के सभी सब-डिवीजन में 24*7 बाढ़ कंट्रोल रूम 15 जून से 30 सितंबर तक काम करना शुरू कर देंगे ताकि आने वाले मानसून सीजन में बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति पर करीब से नजर रखी जा सके। कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे काम करेंगे ताकि बाढ़ से जुड़ी इमरजेंसी की तुरंत रिपोर्टिंग और रिस्पांस पक्का किया जा सके। डिटी कमिश्नर ने कहा कि लोग कंट्रोल रूम नंबरों के जरिए बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति की रिपोर्ट कर सकते हैं। स्टाफ के लिए एक ड्यूटी रोस्टर पहले ही तैयार कर लिया गया है, जबकि सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारियों को कंट्रोल रूम के असरदार कामकाज को पक्का करने के लिए रोटेेशनल मैनिट्रिंग की जिम्मेदारी दी गई है। हिमांशु जैन ने आगे कहा, 'इन कंट्रोल रूम का मकसद बाढ़, तटबंधों में दरार और दूसरी इमरजेंसी स्थितियों के बारे में जानकारी समय पर मिलना और उसे फैलाना है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता या फोर्ड स्टाफ से मिली सभी जानकारी पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी, जिससे जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए विभागों के बीच तेजी से तालमेल और मदद सुनिश्चित होगी। कमजोर इलाकों में बाढ़ रोकने के कामों का रिव्यू करते हुए, हिमांशु जैन ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित इलाकों में तटबंधों और दूसरे सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के चल रहे काम में तेजी लाने और उसे पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि बारिश के मौसम में किसी भी अनेहनी को रोकने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। डिटी कमिश्नर ने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पहले से ही बड़े इंतजाम किए गए हैं। सभी संबंधित विभागों ने इमरजेंसी प्लान तैयार किए हैं, जिन्हें इमरजेंसी से अमरदार तर्कों से निपटने के लिए जल्दी संसाधनों से लैस किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बाढ़ से जुड़ी किसी भी घटना की तुरंत रिपोर्ट करें और मानसून के मौसम में जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के साथ सहयोग करें।

होटल, रेस्टोरेंट और रेहड़ी वाले मालिक खाना पकाने के लिए एक ही तेल बार-बार इस्तेमाल न करें: हिमांशु अग्रवाल ने टीमां को वैकिंग के निर्देश दिए



पटियाला- पटियाला के डिटी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने जिले के सभी होटलों, रेस्टोरेंट और रेहड़ी वालों को निर्देश दिया है कि वे खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए गए तेल को तीन बार से ज्यादा गर्म करने के बाद दोबारा इस्तेमाल न करें। इस संबंध में उन्होंने हेल्थ टीमां को भी चेकिंग करने के निर्देश दिए हैं। फूड सेफ्टी पर डिस्ट्रिक्ट लेवल एडवाइजरी कमेटी की रिव्यू मीटिंग के दौरान डिटी कमिश्नर ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर-कम-डिजनेटेड ऑफिसर फॉर फूड सेफ्टी डॉ. गुरप्रीत कौर को निर्देश दिया गया कि वे फूड कारोबारियों और आम लोगों को बार-बार गर्म किए जाने वाले तेल से कैप्शन और पेट की दूसरी गंधी बीमारियों के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए एक खास कैप्शन चलाएंगे। उन्होंने कहा कि बार-बार गर्म किए जाने वाले तेल से नुकसानदायक तत्व निकलते हैं, जिससे कैप्सर, दिल की बीमारियां और दूसरी हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती हैं। कमेटी के नॉन-ऑफिशियल मेंबरस ने जब एक बार इस्तेमाल किए गए तेल को दोबारा इस्तेमाल करने से रोकने का मुद्दा उठया, तो डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट को जिले में ऐसा सिस्टम बनाने का निर्देश दिया, जिससे इस्तेमाल किए गए तेल को खाने-पीने की जगह साबुन या दूसरे इंस्ट्रुमेंटल कामों में इस्तेमाल किया जा सके और उसका साइंटिफिक तरीके से डिस्पोज भी पक्का किया जा सके। इस बीच, डिटी कमिश्नर ने पटियाला को हेरिटेज फूड वाली फूड सिटी के तौर पर डेवलप करने और टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए यहां के मशहूर फूड्स और खाने की मशहूर जगहों पर एक स्पेशल कॉफी टेबल बुक डिपन के प्रोसेस में भी तेजी लाने का भी निर्देश दिया। डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन टीम को शहर के फूड वेडस के लिए फूड स्ट्रीट बनाने के प्रोसेस में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कोर्ट केस और फाइन, फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स को लेकर की जा रही कार्रवाई, स्कूलों में अवेयरनेस एक्टिविटीज, फूड आइटम्स की सैंपलिंग और कंज्यूमर की शिकायतों के निपटारे का भी रिव्यू किया। मीटिंग के दौरान, डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. गुरप्रीत कौर ने पिछले महीने फूड सेफ्टी के लिए की गई एक्टिविटीज के बारे में बताया और डिटी कमिश्नर को भरोसा दिलाया कि जिले में लोगों को अच्छी क्वालिटी का खाना देने में कोई कोताही नहीं होने दी जाएगी।

लाल टोपी छोड़ी, जींस-टीशर्ट पहन एयरपोर्ट पर धमाल..... अखिलेश यादव को नए लुक में देख ताकते रह गए लोग

● समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी पारंपरिक लाल टोपी और कुर्ता-पायजामा की पहचान छोड़कर कैजुअल लुक अपनाया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव हमेशा सफेद कुर्ता-पायजामा और लाल टोपी में नजर आते रहे हैं। लेकिन अब उन्होंने अपनी इस ब्रांडेड इमेज को पूरी तरह बदल दिया है। **कैजुअल लुक में अखिलेश, लोग हैरान**
काली जींस, सफेद टी-शर्ट, ब्लैक शूज और बिना टोपी के अखिलेश यादव एयरपोर्ट से बाहर निकले तो हर कोई चौंक गया। उनका यह नया वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इसे महेंद्र सिंह धोनी से जोड़कर मजाक कर रहे हैं, तो कुछ इसे राहुल गांधी के कैजुअल स्टाइल से भी तुलना कर रहे हैं।
सोशल मीडिया पर छाई चर्चा

'हम सब घुटकर मर जाएंगे', जिमखाना क्लब मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट की तलख टिप्पणी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार की दिल्ली जिमखाना क्लब, इंडियन पोलो क्लब और दिल्ली रेस क्लब की मूल्यवान जमीन से जुड़ी योजना पर कड़े सवाल पूछे हैं। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने साफ कहा, प्रदूषण से पहले ही घुट रही दिल्ली की सांसें अब और भी छोटी हो जाएंगी, क्योंकि नई दिल्ली नगर पालिका क्षेत्र की बची-खुची हरी-भरी जगहों को भी सरकार ले रही है। थोड़ी-बहुत सांस लेने की जगह बची है, वह भी चली जाएगी। हम सब घुटकर मर जाएंगे। जस्टिस कृष्णा ने इंडियन पोलो एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, पोलो क्लब क्यों चाहिए आपको? जिमखाना जैसे हेरिटेज स्ट्रक्चर्स का क्या करेंगे? क्या 20 बंजला इमारतें बनाएंगे? दिल्ली को क्या बनाया चाहते हैं? पिछले 200 साल में जमीन नहीं चाहिए थी, अब अचानक क्यों? केंद्र सरकार ने 20 मई को जयपुर पोलो ग्राउंड (रेस कोर्स) खाली करने का नोटिस जारी

पंजाब सरकार भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल के पवित्र तालाब की सफाई करेगी

● भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल पर करीब 17.72 करोड़ रुपये की लागत से कई विकास कार्य किए जा रहे हैं - बाल जोगी परगट नाथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल के पवित्र तालाब की सफाई के लिए एक खास प्रोजेक्ट शुरू कर रही है, जिसके तहत तालाब की सफाई का काम बहुत जल्द शुरू होने वाला है। इस बारे में भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल श्राद्ध बोर्ड के एडवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन बाल जोगी परगट नाथ ने आज बाल वाल्मीकि तीर्थ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार पवित्र तालाब की सफाई के लिए 3.74 करोड़ रुपये खर्च करेगी, जिससे तालाब से गाद निकाली जाएगी, साफ रेत डाली जाएगी और दूसरे विकास के काम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस बारे में टेंडर प्रोसेस पूरा हो चुका है और तालाब की सफाई जल्द ही शुरू हो जाएगी। बाल जोगी परगट नाथ ने कहा कि

श्रीभूमि जिले के आनिपुर फुटब्रिज पर महिला से कथित छेड़छाड़, पुलिस की कड़ी कार्रवाई से आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- असम की भूमि जिले के रामकृष्णनगर के आनिपुर क्षेत्र में सिंगला नदी पर बने वैकल्पिक लकड़ी के फुटब्रिज पर एक महिला के साथ कथित छेड़छाड़ और उसे नदी में धक्का देने की कोशिश के आरोप से क्षेत्र में व्यापक आक्रोश फैल गया है। पुलिस ने मामले में आरोपी साजान उद्दीन (42) को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में रामकृष्णनगर थाने में मामला संख्या 46/26 दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, रविवार रात परिश्रम हरिनगर माजरागांव गांव की एक विष्णुप्रिया मणिपुरी महिला फुटब्रिज पर कर रही थीं। आरोप है कि इसी दौरान राताबाड़ी थाना क्षेत्र के नितासनगर निवासी सजान उद्दीन ने उनका रास्ता रोककर अपभ्रष्ट व्यवहार करने का प्रयास किया। महिला के विरोध करने पर आरोपी ने कथित रूप से मारपीट की तथा उन्हें पुल से नदी में धक्का देने की कोशिश की। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें सुरक्षित बचा



अखिलेश के हेयर स्टाइल और पूरे लुक को खुब तारीफ हो रही है। कई यूजर्स लिख रहे हैं कि यह अखिलेश यादव का सबसे अलग और स्टाइलिश अवतार है। पहले भी वे स्पোর্ट्स लुक में साइकिलिंग, क्रिकेट और फुटबॉल खेलते नजर आ चुके हैं, लेकिन पब्लिक अपीयरेंस में यह बदलाव पहली बार देखने को मिला है।
लाल टोपी थी उनकी पहचान
अखिलेश यादव की पहचान लंबे समय से सफेद कुर्ता-पायजामा और लाल टोपी बन चुकी थी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद वे लगातार इसी रूप में दिखे। नाम सुनते ही लोगों के मन में यही छवि उभरती थी। ऐसे में अचानक आए इस बदलाव ने फोको हैरान कर दिया है।



किया था। एसोसिएशन ने पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दायर की, लेकिन स्टे नहीं मिलने पर हाईकोर्ट की शरण ली थी। हाईकोर्ट ने याचिका का निस्तारण करते हुए पटियाला हाउस कोर्ट को 10 जून तक खाली करने के नोटिस पर स्टे एप्लीकेशन का फैसला करने का निर्देश दिया। पोलो क्लब को बीस जून तक खाली किए जाने का नोटिस दिया गया है। केंद्र सरकार के स्थायी वकील अशोष दीक्षित ने दलील दी, यह जमीन सार्वजनिक व रक्षा प्रयोजनों के लिए करीब है। न्यायमूर्ति कृष्णा ने सरकार के तर्कों को खारिज करते हुए प्रमू-हइराइज बनाना कैसे जनहित में है? हइराइज इमारतों से भरी दिल्ली में अब सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा। भगवान सबको बचाए, अगर यही दिल्ली में रहने का तरीका है।

तालाब की सफाई करेगी

पंजाब सरकार ने भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल के विकास के लिए 17 करोड़ 72 लाख रुपये की लागत से विकास के काम शुरू कर दिए हैं और ये सभी विकास के काम तेजी से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा दिए गए 17.72 करोड़ रुपये में से 3.74 करोड़ रुपये की लागत से पवित्र सरोवर की सफाई की जाएगी, जिसमें सरोवर से गाद निकालना, साफ रेत डालना और अन्य विकास कार्य शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 2.8 करोड़ रुपये की लागत से म्यूज मंदिर की पेंटिंग/पॉलिशिंग का काम, मंदिर के रास्ते में खंभों की मरम्मत, बलुआ पत्थर की सिलिकॉन कटिंग का काम किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि 2.42 करोड़ रुपये की लागत से संगत हॉल के पत्थर की मरम्मत, लंगर हॉल, सारन, पैनेमरा स्थित हॉल की पेंटिंग का काम किया जाएगा। श्री बाल जोगी परगट नाथ ने कहा कि लगभग 1.74 करोड़ रुपये की लागत से सारन में भक्तों के लिए नया फर्नीचर, एसी और अन्य काम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा STP की कैपैसिटी बढ़ाने, सभी बाथरूम की मरम्मत, न्यू AC और गीजर, फायर सेफ्टी सिस्टम आदि का काम भी किया जाएगा, जिस पर 5 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च होगा। उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि जी के



सुरक्षा कर्मियों से गर्मजोशी
एयरपोर्ट पर जींस-टीशर्ट में वांक करते अखिलेश को देखकर सुरक्षा कर्मी भी हैरान रह गए। अखिलेश ने मुस्कुराते हुए उनसे हाथ मिलाया। एक युवक ने सेल्फी की रिक्वेस्ट की तो उन्होंने उसे भी खुशी-खुशी पूरा किया। वीडियो में उनकी सहज मुस्कान और लोगों के प्रति सौहार्द साफ दिख रहा है।
राजनेताओं में स्टाइल बदलाव
राजनेताओं की पोशाक अक्सर उनकी पहचान बन जाती है। लेकिन अखिलेश यादव ने साबित कर दिया कि वे बदलाव से नहीं डरते। अब सवाल यह है कि क्या यह एक बार का बदलाव है या अखिलेश नया पॉलिटिकल और पब्लिक इमेज बनाने जा रहे हैं?

श्रीभूमि जिले के पाथारकांडी घटना को लेकर सनातनी एक्थ मंच का प्रदर्शन

श्रीभूमि- आज 9 जून शाम लगभग चार बजे जिले पाथारकांडी में अचानक माहौल गरमा गया, जब सनातनी एक्थ मंच के आह्वान पर करीब एक हजार लोग सड़कों पर उतर आए और विभिन्न नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाथारकांडी के नालुगांव में हुई घटना की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच की मांग की। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में कथित गाय चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने और नालुगांव मामले के दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग उठाई। अंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को अलग-अलग ज्ञापन सौंपे। ये ज्ञापन सफ़िकल कार्यालय तथा सीडीसी (CDC) अधिकारियों को दिए गए, ताकि उच्च प्रशासनिक स्तर पर मामले को गंभीरता से लिया जाए और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस घटना को लेकर पाथारकांडी माहौल गर्मा गया। पाथारकांडी नालुगांव में हुई घटना को लेकर हाल के दिनों में विभिन्न संगठनों और स्थानीय लोगों द्वारा न्याय की मांग करते हुए कई विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। मामले की जांच जारी है और पुलिस द्वारा इस घटना को लेकर कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी भी किया पुलिस एक्शन मूड में जानकारी सामने आई है।

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर दिल्ली भाजपा ने अर्पित किए श्रद्धासुमन



नई दिल्ली। भगवान बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को दिल्ली प्रदेश भाजपा के जनजाति मोर्चा द्वारा बसेरा पार्क स्थित उनके स्मृति स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष महन्त्रा ने जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सी.एल. मीणा तथा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हर्ष महन्त्रा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पयुव में ही आदिवासी समाज और देश के लिए जो योगदान दिया, वह आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि 9 जून 1900 को मात्र 25 वर्ष की अवस्था में रांची जेल में उनका निधन हुआ, लेकिन उनके विचार और संघर्ष आज भी समाज को दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे। उन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों, जल-जंगल-जमीन की रक्षा तथा सामाजिक

मार्केट कमेटी, लुधियाना ने 2026-27 का बजट पेश किया



लुधियाना- पंजाब मंडी बोर्ड के तहत मार्केट कमेटी लुधियाना ने 2026-27 का बजट पेश किया। इस मौके पर चेयरमैन गुरजीत सिंह गिल और सेक्रेटरी हरिंदर सिंह ने बताया कि 2026-27 का बजट मजबूरी के लिए चंडीगढ़ भेजा गया है, जो करीब 46 करोड़ रुपये का है। उन्होंने कहा कि जैसे ही साल 2026-27 जांच जारी है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों को सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कानून अपने हाथ में लेने के बजाय आरोपी को पुलिस के हवाले कर जिम्मेदारी और संयम का परिचय दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में रोष का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने दोषी को कड़ी से कड़ी सजा देने तथा महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

सैदुलाजाब हदसे में 6 मौतों के जिम्मेदार दोनों बिल्डर गिरफ्तार

दिल्ली। सैदुलाजाब हदसे में फगर चल रहे दोनों आरोपित बिल्डर को महरौली थाने की पुलिस ने मंगलवार को वसंत कुंज क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि बिल्डर मनीष खत्री और अविनाश गुप्ता इमारत पर अवैध रूप से निर्माण कार्य करा रहे थे। मामले में भवन स्वामी कर्मवीर जेलवार को पुलिस एक जून को ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। घटना में छह लोगों की मौत हुई थी, तो वहीं आठ लोग घायल हुए थे। दोनों गिरफ्तार आरोपितों को पुलिस बुधवार को साकेत कोर्ट में पेश करेगी। जानकारों के मुताबिक व्यावसायिक इमारत चार तल की थी। इसके ऊपर तीन और तल बनाए जा रहे थे। आरोपित भवन स्वामी कर्मवीर को उसके कुछ परिचितों ने कमजोर हो चुकी 400 वर्ग गज में बनी 15 वर्ष पुरानी चार मंजिला इमारत को तोड़कर नए सिरे से निर्माण की सलाह दी थी। पर वह नहीं माना। बिल्डर मनीष और अविनाश को काम सौंप दिया। चार मंजिला इमारत के ऊपर दो तल बन चुके थे और तीसरे तल का काम चल रहा था। 30 मई को कमजोर नींव लोड पकर फट गई और पूरी इमारत ढह गई। मलबा हटाने का काम अभी भी जारी है। बचाव व रहत कार्य में लगे फायर ब्रिगेड के अधिकारी के मुताबिक, मलबा हटाने के दौरान पता चला की ऊपरी मंजिल हाल-फिलहाल ही बने थे, जिन पर सोमेंट की लिफाई तक नहीं हो पायी थी। गली नंबर पांच में इमारत अइज कोंक्रिट और कैंटन के बीच में थी। कैंटीन की छत का अगला हिस्सा टिन शेड था, जबकि पीछे एक कमर पक्का था।

खान सर को बड़ी राहत! पटना कोर्ट ने गिरफ्तारी पर लगाई रोक

● अगली सुनवाई तक नहीं होगी कठोर कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। पटना के चर्चित फायरिंग मामले में खान ग्लोबल स्टडीज के निदेशक खान सर को फिलहाल बड़ी राहत मिली है। मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई, जिसके बाद अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अगले आदेश या अगली सुनवाई तक संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई नहीं की जाएगी। खान सर की ओर से उनके वकील अरविंद मउआर ने सोमवार को पटना के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रूपेश देव की अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायिल की थी। खान सर के खिलाफ हत्या की कोशिश और हथियारों के अवैध इस्तेमाल से जुड़े आरोपों में मामला दर्ज है। मंगलवार को हुई सुनवाई में अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत देते हुए गिरफ्तारी पर रोक लगाने का आदेश दिया। इसी मामले में जेल में बंद खान सर के दो सुरक्षा गार्ड दीपक कुमार और तालेबर सिंह की नियमित जमानत याचिका पर भी सोमवार को सुनवाई हुई थी। उनके वकील अरविंद मउआर ने प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी अनुराग वर्मा की



अदालत में पक्ष रखा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने पुलिस से मामले में जमा किए गए सिलसिलेवार सबूतों की मांग की है। चार जून को गिरफ्तार किए गए दोनों गार्डों की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया था। अब इस मामले में उनके पक्ष में फैसला आता है या नहीं, इस पर भी नजरों टिकी हुई है। पुलिस ने खान सर के गार्डों के बयान के आधार पर उनके खिलाफ हत्या की कोशिश और आर्मस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।
एफआईआर में दावा किया गया है कि खान सर ने अपने गार्डों से कहा था, 'तुम गोली चलाओ, बाकी मैं देख लूंगा।' इसी आरोप के आधार पर पुलिस ने उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। वहीं, दूसरी ओर, ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की रिहाई की मांग को लेकर सोमवार को पटना में छात्रों ने कैंडल मार्च निकाला। ऐसे में फायरिंग मामले को लेकर कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ सड़कों पर भी समर्थन और विरोध का माहौल देखने को मिल रहा है।

हर युवा क्रिकेटर के पास होगा बेहतर ट्रेनिंग का मौका

● एआई आधारित क्रिकेट ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म काबुनी लॉ लॉच किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी
ब्यूरो प्रयागराज। देश में ऐसे लाखों युवा हैं, जो क्रिकेट में आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन अच्छी कोचिंग और सही मार्गदर्शन हर किसी को नहीं मिल पाता। इसी परेशानी को दूर करने के लिए एआई आधारित क्रिकेट ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म काबुनी लॉन्च किया गया है। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों तक बेहतर और आधुनिक ट्रेनिंग पहुंचाना है। काबुनी लॉ क्रिकेट खिलाड़ी अपने खेल का तुरंत विश्लेषण देख सकते हैं और जान सकते हैं कि उन्हें कहां सुधार की जरूरत है। यह तकनीक बल्लेबाजी और खेल से जुड़ी कई अहम बातों पर नजर डालती है और उसी के आधार पर सुझाव देती है। काबुनी लॉ अक्सर और जगत के बड़े नाम भी जुड़े हैं। सौरव गांगुली, शेन वॉटसन, एबी डिविलियस और श्रेयस



अश्वर सुपर कोच के रूप में युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। इससे खिलाड़ियों को बड़े क्रिकेटर्स से सीखने का मौका मिलेगा। कंपनी ने 'डू यू वॉन्ट टू प्ले फॉर ए लीजेंड?' नाम से एक खास अभियान भी शुरू किया है। इसके तहत 12 से 16 साल के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाकर दिग्गज खिलाड़ियों की टीम में जगह बनाने का मौका हासिल कर सकेंगे। काबुनी लॉ के संस्थापक निमेश पटेल का कहना है कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ सही अक्सर और मार्गदर्शन की है। उनका मानना है कि यह प्लेटफॉर्म छोटे शहरों और दूर-दराज के



इलाकों के खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने का मौका देगा। कुल मिलाकर, काबुनी तकनीक और क्रिकेट को जोड़कर युवा खिलाड़ियों के लिए सीखने, निखरने और अपने सपनों को पूरा करने का नया रास्ता खोल रहा है।

महिला से सोने की बाली झपटने वाले दो बदमाश गिरफ्तार



दिल्ली। मानसरोवर पार्क थाना पुलिस ने महिला से सोने की बाली झपटने वाले दो झपटमारों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मनीष गोयल और अश्विनी कुमार के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपितों ने उन बालियों को दुर्गापुरी चौक स्थित एक कैश फार गोल्ड नाम की दुकान को दे दिया है। उन्होंने लोगों से उनके आदर्शों को अपनाने तथा समाज में पॉजिटिव संरक्षण, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता का संदेश देता है। उन्होंने लोगों से उनके आदर्शों को अपनाने तथा समाज में कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और बलिदान देशवासियों को संदेश प्रेरित करता रहेगा। उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जानी चाहिए और उनके दिशाएं मार्ग मुंडा केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे। उन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों, जल-जंगल-जमीन की रक्षा तथा सामाजिक

महिला से सोने की बाली झपटने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

दिल्ली। मानसरोवर पार्क थाना पुलिस ने महिला से सोने की बाली झपटने वाले दो झपटमारों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मनीष गोयल और अश्विनी कुमार के रूप में हुई है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपितों ने उन बालियों को दुर्गापुरी चौक स्थित एक कैश फार गोल्ड नाम की दुकान को दे दिया है। उन्होंने लोगों से उनके आदर्शों को अपनाने तथा समाज में पॉजिटिव संरक्षण, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता का संदेश देता है। उन्होंने लोगों से उनके आदर्शों को अपनाने तथा समाज में कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और बलिदान देशवासियों को संदेश प्रेरित करता रहेगा। उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जानी चाहिए और उनके दिशाएं मार्ग मुंडा केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे। उन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों, जल-जंगल-जमीन की रक्षा तथा सामाजिक

साधु के भेष में ठगी कर्दवे पहुंचे तीन अपराधी गिरफ्तार, महिला से ठगा गया सोने का जेवर बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड- हजारीबाग जिले के बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र अंतर्गत हुरहुर में साधु का भेष धारण कर एक महिला को ठगी का शिकार बनाने पहुंचे तीन अपराधियों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से महिला से ठगा गया सोने का जेवर तथा अन्य सामान भी बरामद किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 8 जून 2026 को अपराह्न करीब 3:30 बजे हुरहुर निवासी गुड़िया देवी के पति ने बड़ा बाजार ओपी पुलिस को सूचना दी कि वकील व्यक्ति साधु के वेश में उनके घर पहुंचे थे। बातचीत और धार्मिक बातों में उलझाकर उन्होंने उनकी पत्नी सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब का परिचय दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में रोष का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने दोषी को कड़ी से कड़ी सजा देने तथा महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

